|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Pawan Kumar	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	10 / 09 / 1991	TIME OF BIRTH :	07:05:00 AM
CITY :	Hisar	STATE :	Haryana
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Government Job Horoscope Analysis Report
QUESTION(S) :	want to know about my carreer, when i will get my centre gov job. my dream income.tax dept. and what is about my love life and what wil be my married life		
Mobile No. : 8950818416	Email ID : barjatia.pawan716@gmail.com		
ORDER ID : #1052	PAYMENT ID : 240021039	AMOUNT : ₹390	
Order Date : 06/04/2019	Delivery Date : 09/04/2019		

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कन्या
राशि :	कन्या
ईष्ट देव :	हनुमानजी

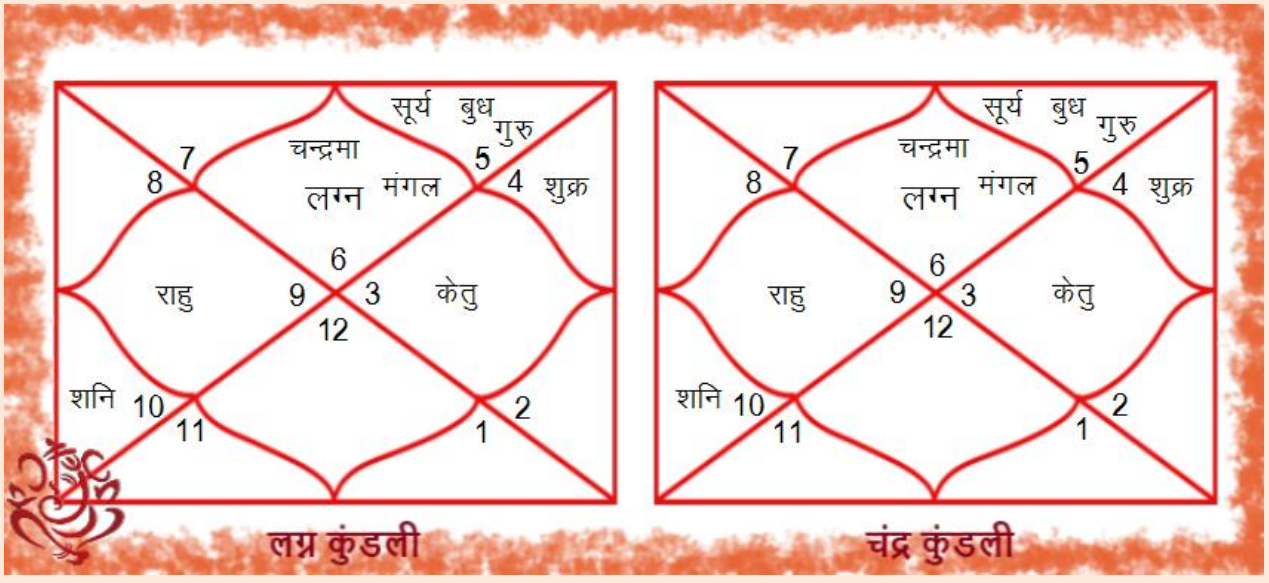

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान पवन कुमार जी आपके सरकारी नौकरी से सम्बंधित प्रश्न के अनुसार आपकी कुंडली में सम्पूर्ण वर्ष 2020 के अंतर्गत सरकारी नौकरी प्राप्ति के योग बन रहे हैं किन्तु इसके लिए आपको सूर्य ग्रह को बलवान करना होगा | सूर्य ग्रह को बलवान करने के पश्चात सरकारी नौकरी अवश्य ही प्राप्त होगी | नौकरी हेतु आवेदन करते समय कोई चूक न करें, सावधानीपूर्वक आवेदन करें | अवसर का लाभ लेने में कहीं चूक न हो जाए, इसलिए नौकरी सम्बंधित विज्ञापनों पर अपना ध्यान पूर्ण केंद्रित रखें |

आप वाणिज्य सम्बंधित विभाग, भूमि लेखा सम्बंधित विभाग एवं पुलिस विभाग में नौकरी करें तो जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे | आपकी आय दो प्रकार से संभव है एक तो रेगुलर स्रोत से एवं एक अन्य माध्यम से चाहे वह साइड बिज़नेस हो अथवा आय का कोई अन्य स्रोत | जीवन में धन आप खूब बनाओगे किन्तु उलटे सीधे कार्यों में नष्ट भी खूब करोगे | अपने लालच, क्रोध एवं अहंकार के कारण कानूनी पचड़ों में उलझने की पूर्ण संभावना है जिसमें आपको मान एवं धन की बहुत हानि होगी | नौकरी सावधानी पूर्वक व सतर्क होकर करें |

मारपीट झगड़ों से स्वमं को दूर रखें | क्रोध व अहंकार का पूर्ण त्याग करें | लालच अधिक न करें | ऐसा न करने पर आपका सूर्य क्षीण होकर आपको नेगेटिव परिणाम देना प्रारम्भ कर देगा |

आप खर्चीले बहुत अधिक हैं | अधिक खर्चा करना आपको प्रिय लगता है | आपकी बुद्धि अत्यंत तीव्र हैं | दूसरों के मुकाबले आप चीजों को अधिक तीव्रता से सीखते व समझते हैं |

आप दयालु प्रवृत्ति के होने के साथ साथ उतने ही कठोर स्वभाव वाले भी हैं | अधिक दयालुता आपको हानि प्रदान करती है | अतः कोई भी निर्णय दिमाग से करें इमोशनल होकर न करें |

आपकी लव मैरिज होगी इसकी पूर्ण संभावना आपकी कुंडली में दिखाई दे रही है | आपका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन प्रारम्भ में तो बहुत मधुरता से चलेगा किन्तु तत्पश्चात संघर्षपूर्ण हो जायेगा | ऐसा आपके अपने क्रोधी स्वभाव एवं कटु वाणी के कारण होगा | यदि आपने स्वभाव एवं वाणी में मृदुलता व मधुरता नहीं लाई तो आपका विवाह विच्छेदन हो जाए, इसकी पूर्ण संभावना है |

अपनी सेहत का ध्यान रखें | ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, इसकी जांच निरंतर कराते रहे | अपने हृदय का ख़याल रखें | खराब सेहत के कारण धन हानि की पूर्ण संभावना है |

विशेष उपाय :-

♦ अपनी माता की खूब सेवा करें | उन्हें हर प्रकार से प्रसन्न रखें | उन्हें प्रसन्न रखा तो जीवन में बहुत कुछ सरलता से प्राप्त होगा |

♦ गाय - गुरु - मंदिर की सेवा करें |

♦ गाय को यदा कदा गुड़-चना खिलाते रहे | बृहस्पतिवार को तो अवश्य ही खिलाएं |

♦ गुरु की सेवा करें | बड़े बुजुर्गों की सेवा करें | ईश्वर / ईष्ट देव (हनुमान जी एवं गणेश जी) में ध्यान लगाएं एवं नित्य मंदिर जाना प्रारम्भ करें | अभी आपका मन ईश्वर / ईष्ट देव के भक्ति भाव में नहीं लगता होगा किन्तु जीवन में उन्नति हेतु ऐसा करना ही होगा |

♦ मंदिर की साफ़ सफाई में सहायता करें | बृहस्पतिवार को तो अवश्य ही इस कार्य को करें |

♦ पानी में दो चुटकी हल्दी डालकर स्नान करें |

♦ रविवार को नमक का सेवन न करें अथवा उपवास पर रहे |

♦ प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में हल्दी व शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें |

♦ बृहस्पतिवार को पीले एवं शुक्रवार को सफ़ेद रंग के वस्त्र धारण करें |

रत्न निर्धारण :-

आपके प्रश्न अनुसार आपकी सरकारी नौकरी की मनोकामना पूर्ण करने के लिए आपको पन्ना, हीरा एवं नीलम धारण करने का परामर्श किया जाता है |

पन्ना रत्न धारण विधि :-

बुध ग्रह का प्रतिनिधि रत्न पन्ना अथवा एमराल्ड को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का पन्ना धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल पन्ना स्वर्ण अथवा चाँदी की अंगूठी

में जड़वाएं | मान लीजिये आपका वजन 70 किलो ग्राम है तब आपको सवा सात रत्ती का पन्ना रत्न धारण करना उपयुक्त रहेगा | किसी भी शुक्ल पक्ष के बुधवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती बुध देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बुध देव मै आपका आशीर्वाद (अथवा जो भी मनोकामना हो बोलें) प्राप्त करने हेतु आपका प्रतिनिधि रत्न पन्ना धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर 108 बारी अगरबत्ती के ऊपर से घुमाते हुए "ऊँ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करे तत्पश्चात अंगूठी को विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर कनिष्ठ अंगुली में धारण करें | पन्ना धारण करने के 30 दिनों में प्रभाव देना आरम्भ कर देता है | निरंतर लाभ प्राप्ति हेतु, प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल के पश्चात इसका उक्त विधि द्वारा शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करते रहें |

हीरा रत्न धारण विधि :-

हीरा शुक्र गृह का प्रतिनिधि रत्न है | हीरे को चाँदी अथवा प्लैटिनम की अंगूठी में जड़वाकर शुक्रवार के दिन, सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती शुक्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करे कि हे शुक्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, हीरा धारण कर रहा हूँ, कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकाल कर "ॐ शं शुक्राय नमः" मंत्र के 108 जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उप्पर से 108 बार घुमाए व अंगूठी को लक्ष्मीजी के चरणों से लगाकर अनामिका ऊँगली में धारण करें | हीरा अपना प्रभाव 25 दिन में देना आरम्भ कर देता है |

नीलम रत्न धारण विधि :-

नीलम अथवा ब्लू सफायर रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम स्वर्ण या पांच धातु की अंगूठी में जड़वाएं | किसी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनि वार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा करे | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखे, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नमः" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका

प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण करे |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

SANDEEP KUMAR SINGH Digitally signed by SANDEEP KUMAR SINGH Date: 2019.04.09 21:22:58 +05'30'

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —